an>

Title: The Minister of External Affairs made a statement on "Hon. Prime Minister's visit to Brazil to attend BRICS Summit."

विदेश मंत्री तथा पूवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : मैं दिनांक 15-16 जुलाई, 2014 तक आयोजित किए गए छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन हेतु माननीय प्रधान मंत्री जी की ब्राजील यात्रा के बारे में इस सम्माननीय सदन को सूचित करना चाहती हूं। मैं प्रारंभ में ब्राजील के राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ़ और ब्राजील के लोगों को बधाई देना चाहूंगी कि उन्होंने एक भव्य ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और गर्मजोशी के साथ माननीय प्रधान मंत्री का स्वागत करने के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। यह विशेष रूप से प्रशंसनीय है कि ब्राजील ने फीफा विश्वकप की मेजबानी के विशाल दायित्व को पूरा करने के तत्काल बाद इस शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। दक्षिण अमेरिका के ग्यारह नेताओं के साथ भी राष्ट्रपति रूसेफ़ ने ब्रिक्स नेताओं की बैठक करवाई।

ब्रिक्स के छोटे से इतिहास में छठा शिखर सम्मेलन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस शिखर सम्मेलन के परिणामस्वरूप न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना हुई, जो शंघाई में अवस्थित होगा। उस पर करार हुआ और आकस्मिक प्रारक्षित व्यवस्था जिसे अंग्रेजी में कांटिंजेंट रिजर्व अरेंजमेंट कहते हैं, उस पर करार हुआ। इस करार का सम्पन्न होना ब्रिक्स देशों तथा विकासशील विश्व के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस बैंक के लिए की गई पहल जिसकी घोषणा नई दिल्ली में मार्च 2012 में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में की गई थी, एक अंतर्राष्ट्रीय विकास बैंक हेतु भारत की अभिकल्पना को परिलक्षित करती है। इस बैंक का नाम - 'द न्यू डेवलपमेंट बैंक' होगा, जिसका प्रस्ताव हमने ही किया था। जैसा कि नाम से विदित है, यह बैंक समावेशी विकास, विरस्थायी प्रगति एवं आर्थिक स्थायित्व के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेगा, जो विकासशील देशों के अनुभव और चुनौतियों पर आधारित होंगे। चूंकि पांच वर्षों के लिए इसकी पहली अध्यक्षता हमारे पास होगी, अतः इससे हमें इस बैंक को एक स्वरूप प्रदान करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त होगा। हमें इस बात के लिए भी खुशी है कि इस समूह ने सभी ब्रिक्स सदस्यों के लिए समान हिस्सेदारी संबंधी भारत की जनतांत्रिक अभिकल्पना को स्वीकार कर लिया है। यह 'द न्यू डेवलपमेंट बैंक' सदस्य देशों के लिए न केवल विकास हेतु वित्त पोषण का एक अतिरिक्त दीर्घावधिक स्रोत की पेशकश करता है, अपितु यह विकासशील जगत में एक उम्मीद एवं उत्साह का भी संचार करता है। ब्राजीलिया में दक्षिण अमरीकी नेताओं द्वारा इस पहल को सर्वसम्मति एवं उत्साहजनक तरीके से समर्थन प्रदान किए जाने से यह बात स्पष्ट हो गई।

'आकस्मिक प्रारक्षित व्यवस्था' जिसे मैंने कहा अंग्रेजी में कांटिंजेंट रिजर्व अरेंजमेंट कहते हैं उस व्यवस्था से रुपए पर अचानक पड़ने वाले बाहरी दबाव से उबरने में अतिरिक्त साधन के रूप में मदद मिलेगी और यह विशेष रूप से ऐसे समय में मददगार होगा जब अंतर्राष्ट्रीय वित्त बाजार में उतार-चढ़ाव का निरंतर जोखिम बना हुआ हो।

अध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधान मंत्री जी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के तहत एक मुक्त, कारगर एवं नियम आधारित वैश्विक कारोबार व्यवस्था का पूर्ण समर्थन करता है। हालांकि, हमें यह भी अपेक्षा है कि यह विकासशील देशों तथा गरीबों की विशेष जरूरतों, विशेष कर, खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगा, जिस पर हम अडिग हैं। प्रधान मंत्री जी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि संयुक्त राष्ट्र में वर्ष 2014 के उपरांत विकास एजेंडे में गरीबी समाप्त करने पर अवश्य ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने वैश्विक अभिशासन संस्थाओं जिनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद भी शामिल है, में सुधारों की अत्यावश्यकता एवं महत्व पर बल दिया।

माननीय प्रधान मत्री ने ऑनलाइन शिक्षा, किफायती स्वास्थ्य देखभाल मंत्र, एक वर्चुअल ब्रिक्स विश्वविद्यालय, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यटन, एक-दूसरे के देश में युवाओं के आने-जाने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अंतर ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने के लिए कई नए प्रस्ताव भी किए। ये ऐसे क्षेत्र हैं जो न केवल हमारी प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं, अपितु यह ब्रिक्स देशों के साथ-साथ विकासशील देशों में भी व्यापक रूप से हमारे लिए अवसरों में वृद्धि करेंगे।

माननीय प्रधान मंत्री ने सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के बारे में व्यापक विचार-विमर्श किया, जिस पर ब्रिक्स देशों के मध्य व्यापक सहमति हैं। उन्होंने विशेष रूप से आतंकवाद से निपटने में सशक्त अन्तर्राष्ट्रीय एकता एवं भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया जिससे अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया में व्याप्त मौजूदा अशांति समाप्त की जा सके। हमने सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत अन्तर्राष्ट्रीय कानूनी कार्य ढांचे जिनमें संगत संयुक्त राष्ट्र संकल्प, मेड्रिड सिद्धांत तथा अरब शांति पहल शामिल हैं, के आधार पर अरब-इजराइल संघर्ष का एक व्यापक, उचित एवं दीर्घकालिक समाधान ढूंढने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता की पुनः अभिपुष्टि की। हमारा मानना है कि इजराइल-फिलीस्तीन संघर्ष का समाधान मध्य पूर्व में एक विरस्थायी शांति लाने के लिए एक मूलभूत घटक है। इस संबंध में फोर्टालिजा में जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य का पूरा मसौदा पहले ही सार्वजनिक कर दिया गया है।

अध्यक्ष महोदया, छठे शिखर सम्मेलन में वैश्विक आर्थिक विकास और स्थिरता, संसाधन की कमी वाले देशों में आर्थिक विकास तथा अन्तर्राष्ट्रीय शांति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त साधन के रूप में ब्रिक्स की प्रासंगिकता और भूमिका को रेखांकित किया गया। विश्व में व्याप्त राजनीतिक उथल-पुथल, आर्थिक मंदी तथा सामान्य तौर पर व्याप्त अनिश्चितता के कारण ब्रिक्स पर और बड़ी जिम्मेदारी आ जाती है कि वह इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सामूहिक अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों को सुदृढ़ करे।

जैसा कि छठे शिखर सम्मेलन के परिणाम दर्शाते हैं, ब्रिक्स देशों के पास वह क्षमता है कि वे तत्काल बड़े निर्णय ले सकें, जिससे हमें भविष्य में अपने लिए और बड़े लक्ष्य तय करने में प्रोत्साहन मिलेगा।

अध्यक्ष महोदया, किसी भारतीय प्रधान मंत्री के लिए दक्षिण अमरीका के ग्यारह नेताओं से एक साथ मिलने का अवसर एक दुर्लभ अवसर है। माननीय प्रधानमंत्री भारत के प्रति दिखाए गए सौहार्द, स्नेह तथा प्रशंसा से अभिभूत हो गए। हमारी आकांक्षाएं साझा हैं और हमारे समक्ष चुनौतियां भी साझी हैं। दक्षिण अमरीका ने हाल के समय में प्रशंसनीय प्रगति की है। हम इस महादेश को भारत के लिए विशाल संभावनाओं से भरा मानते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण धुरी के रूप में देखते हैं। परस्पर सुदृढ़ सम्पर्क से हम अत्यधिक लाभान्वित हो सकते हैं। हम दक्षिण अमरीको के साथ हमारे विनियोजन को गहरा तथा विस्तारित करने की इच्छा रखते हैं। दक्षिण अमरीका को पहले उतना महत्व नहीं मिला जिसका वह हकदार है।

अध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधान मंत्री को पहली बार भारत के महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय भागीदार देशों के नेताओं के साथ व्यक्तिगत रूप से मिलने का और सरकार के दृष्टिकोण तथा हमारे विनियोजन की प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

माननीय प्रधान मंत्री ने चीन के राष्ट्रपति श्री जिनपिंग को सूचित किया कि भारत को चीन के पास न केवल एक-दूसरे के विकास को कार्यान्वित करने के बल्कि एशिया तथा विश्व में शांति, स्थिरता और प्रगति में योगदान देने के लिए भी मिलकर काम करने के अपार अवसर हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों प्राचीन सभ्यताओं के बीच लोगों के और अधिक आपसी सम्पर्क से हमारे संबंधों को अत्यधिक मजबूती मिल सकती है। उन्होंने आपसी संबंधों को पूरी क्षमता से मूर्त रूप देने के लिए परस्पर विश्वास तथा भरोसे को महत्व देने के साथ-साथ अपने साझा पड़ोस में तथा सीमा पर शांति तथा अमन-चैन बनाए रखने और एक-दूसरे के हितों तथा सरोकारों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया।

राष्ट्रपति श्री जिनपिंग ने आपसी संबंधों की वास्तविक क्षमता का पूरा उपयोग करने के लिए सही माहौल तैयार करने और दोनों देशों के बीच और अधिक सम्पर्क तथा मेल-मिलाप के हमारे विचार से सहमति जताई। राष्ट्रपति श्री जिनपिंग ने कहा कि वे इस वर्ष के दौरान भारत की प्रस्तावित यात्रा पर आने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने मानीय प्रधान मंत्री को चीन आने का निमंत्रण दिया। माननीय प्रधान मंत्री ने जल्दी ही अनुकूल समय में चीन की यात्रा करने का अपना इरादा जताया।

राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुई बैठक में उन्होंने भारत के आर्थिक विकास तथा सुरक्षा में रूप सकी दीर्घकालिक मित्रता तथा भरपूर द्विपक्षीय व अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए रूस के प्रति हार्दिक सराहना व्यक्त की। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि रूस के साथ संबंधों को उसी प्रकार प्राथमिकता मिलती रहेगी जिस प्रकार हमेशा भारत की विदेश नीति में मिलती रही है। उन्होंने रणनीतिक भागीदारी को और गहरा तथा विस्तत बनाने के अपने इरादे की पुनःपुष्टि की। राष्ट्रपति पुतिन इस वर्ष वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली आएंगे। उम्मीद है कि अपने वाले वर्षों में हम इस

अवसर का उपयोग अपने संबंधों के लिए दूरदृष्टि के साथ रोड मैप तैयार करने हेतु कर पाएंगे।

इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा के साथ माननीय प्रधान मंत्री की सौहार्दपूर्ण तथा उपयोगी बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने अपने द्विपक्षीय सहयोग तथा अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को और गहरा बनाने के लिए मिलकर काम करने का वायदा किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका से महात्मा गांधी के वापस लौटने के सौ वर्ष पूरे होने पर जनवरी, 2015 में हमारे पुरस्तावित समारोह का हिस्सा बनने के लिए दक्षिण अफ्रीका को आमंत्रित किया।

ब्राजील भारत का एक महत्वपूर्ण वैश्विक भागीदार है। हमें विश्वास है कि ब्राजील के साथ हमारे सहयोग दूरी के कारण नहीं बल्कि हमारी सोच तथा प्रयास के कारण सीमित हैं। माननीय प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति रूसेफ ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रूप से और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर योग की अद्वितीय क्षमता है। हम दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को और गति प्रदान करने की इच्छा रखते हैं।

अध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधान मंत्री ब्रिक्स शिखर सम्मेलन तथा भागीदार ब्रिक्स देशों के साथ-साथ दक्षिण अमरीका के साथ उनकी बैठकों के परिणाम से अत्याधिक संतुष्ट हुए। उभरते वैश्विक परिदृश्य में भारत के लिए यह अनिवार्य है कि हम एक शांतिपूर्ण तथा सम्पन्न विश्व के निर्माण में अपने राष्ट्रीय विकास तथा सुरक्षा को आगे बढ़ाने और अपनी अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अति सक्रिय तथा विस्तृत सम्पर्क बनाते रहें। हम पश्चिमी एशिया से लेकर पूर्वी एशिया तक अपने पड़ोस पर विशेष ध्यान देना जारी रखेंगे। अपने कार्यकाल की इस छोटी सी अवधि में ही हमारी सरकार ने इस नीति को सक्रिय एवं निर्णायक तरीके से अपनाया है।

(Placed in Library, See No. LT 297/16/14)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.10 p.m.

13.11 hrs

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Ten Minutes

past Fourteen of the Clock.